राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद

शिक्षा मन्त्रालय द्वारा 1 सितम्बर 1961 में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) का गठन किया गया। यह एक स्वायत्त शासी संस्था है। परिषद का कार्य क्षेत्र विद्यालयी शिक्षा से लेकर विश्वविद्यालयी शिक्षा तक प्रत्येक स्तर की शिक्षा के प्रसार तथा विकास की दिशा में अनुसन्धानों को प्रारम्भ, आँकड़ों का एकत्रीकरण व विश्लेषण कर उनके परिणामों का प्रकाशन व आवश्यक सुझावों एवं दिशा निर्देशों को प्रदान करना है।

NCERT के सहयोगी शैक्षिक विभाग एवं इकाइयाँ :-

परिषद द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान की स्थापना 'दिल्ली' में की गई है, जो एक शोध संगठन है जिसका अपना शैक्षिक विभाग एवं इकाईयाँ हैं। जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं —

1⇒ कोठारी आयोग के सुझावों के आधार पर गठित केन्द्रीय शिक्षा संस्थान जो अब दिल्ली विश्वविद्यालय का भाग है।
2⇒ शिक्षण - सामग्री विभाग जो 1984 से केन्द्रीय शैक्षिक तकनीकी संस्थान के रूप में विकसित हुआ है।
3⇒ शैक्षिक सर्वेक्षण इकाई।
4⇒ लेखा/सूचना इकाई।
5⇒ बेसिक शिक्षा विभाग।

आवधिक निरीक्षण (Periodic Inspection)

Scanned with CamScanner

D.El.Ed

6 => विज्ञान शिक्षा विभाग।
7 => सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी विभाग।
8 => पूर्व-प्राथमिक एवं प्राथमिक शिक्षा विभाग।
9 => शिक्षक शिक्षा विभाग।
10 => महिला अध्ययन विभाग।
11 => कर्मशाला विभाग।
12 => प्रकाशन विभाग।
13 => क्षेत्रीय कार्यालय।
14 => केन्द्रीय प्रौद्योगिक संस्थान नई दिल्ली।
15 => अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध एकीकरण।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद के सदस्य

1 => भारत सरकार का शैक्षिक सलाहकार या शिक्षा परामर्शदाता।
2 => अध्यक्ष केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मन्त्री।
3 => दिल्ली विश्वविद्यालय का कुलपति।
4 => विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का अध्यक्ष।
5 => प्रत्येक राज्य सरकार का एक-एक प्रतिनिधि।
6 => केन्द्र सरकार द्वारा मनोनीत 12 सदस्य।

ये परिषद ही नयी शिक्षा पद्धति 10+2+3 के अनुरूप पाठ्यक्रम एवं विषयों का निर्धारण करती है। इसके अतिरिक्त विभिन्न स्तरों की हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम की पाठ्य-पुस्तकों का भी प्रकाशन करती है।

वर्तमान में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के कार्यवाहक निदेशक ऋषिकेश सेनापति है, जिन्होंने 16 नवम्बर 2015 को इस पद पर नियुक्त होकर इस परिषद का कार्यभार सम्भाला है। — end